

खबर संक्षेप

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक, 12 दावे मान्य

मण्डला। वन अधिकारों के प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर एवं जिला स्तरीय वन अधिकार समिति के अध्यक्ष श्री राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में गोलमेज कक्ष में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न खंड स्तरीय समितियों से प्राप्त वन अधिकार दावा प्रकरणों की बारीकी से समीक्षा की गई। अभिलेखों, सत्यापन रिपोर्ट और मैदानी निरीक्षण के आधार पर समिति ने कुल 12 वन अधिकार दावों को मान्य करते हुए अनुमोदन प्रदान किया। वहाँ 2 दावा प्रकरणों में कच्चा क्षेत्र का रकबा बदलने के कारण उन्हें संबंधित खंड स्तरीय समिति को पुनः जांच के लिए रिवर्ट किया गया। शेष अन्य प्रकरणों में दस्तावेजों की पूर्ति और तथ्यों के सत्यापन हेतु उन्हें पुनः परीक्षण के लिए वापस भेजे जाने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर श्री धोटे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन अधिकार अधिनियम के तहत पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा में वन अधिकार पत्र उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से किया जाए और प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए, ताकि वनवासी एवं आदिवासी परिवारों को उनके अधिकारों का लाभ शीघ्र मिल सके। बैठक में वन मण्डलाधिकारी एमएस मौर्य एवं सुश्री प्रीता एसएम, सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी सहित राजस्व, वन एवं आदिवासी विकास विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नर्मदा लोक विकास के लेआउट पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

मंडला जिले में प्रस्तावित नर्मदा लोक विकास की परिकल्पना को लेकर आयोजित बैठक में प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिा उईके ने अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में परियोजना के प्रारंभिक लेआउट, स्वरूप एवं विभिन्न घटकों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करए जाने से पूर्व आवश्यक सुझावों एवं संभावित विकास कार्यों पर मंथन किया गया।

बैठक में मंत्री श्रीमती सम्पतिा उईके ने कहा कि नर्मदा लोक केवल एक पर्यटन स्थल न होकर प्रदेश की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं जनजातीय विरासत का जीवंत केंद्र बने। उन्होंने निर्देश दिए कि

प्रस्तावित परिसर के लेआउट में नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की आवश्यकताओं एवं सुविधाओं को विशेष रूप से शामिल किया जाए, ताकि उन्हें विश्राम, जानकारी एवं आध्यात्मिक वातावरण एक ही स्थान पर

उपलब्ध हो सके। उन्होंने आध्यात्म शीम को प्रमुखता देते हुए परिसर को आकर्षक एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप विकसित करने के सुझाव दिए। साथ ही स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक परिवेश को ध्यान में रखते हुए होमस्टे की

अवधारणा को भी परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर बल दिया, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम ने बैगा जनजाति

की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, जीवन शैली एवं विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक समर्पित संग्रहालय एवं वीर महापुरुषों की प्रतिमा विकसित करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि इससे जिले की विशिष्ट जनजातीय पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी तथा पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति को निकट से जानने का अवसर प्राप्त होगा। बैठक के दौरान

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, एसपी राजेश रघुवंशी, एडीएम हुनेन्द्र घोरमारे, सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित एनवीडीए के अधिकारी उपस्थित रहे।

आयोजन	सैन्य बलों की वीरता के पीछे परिवार की अहम भूमिका:मंत्री श्रीमती उईके।
-------	---

विशेष सशस्त्र बल 35वीं वाहिनी का 21वां स्थापना दिवस



*** उत्साह एवं गौरवपूर्ण हुआ आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

विशेष सशस्त्र बल 35वीं वाहिनी, ग्वारा का 21वां स्थापना दिवस गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिा उईके मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

मुख्य अतिथि श्रीमती

सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। मंत्री श्रीमती उईके ने बटालियन परिसर, ग्वारा में विद्युत व्यवस्था संबंधी समस्या की जानकारी प्राप्त होने पर प्रशासन के समन्वय से आवश्यक बल की अनुपस्थिति में पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते हैं, जिससे जवान पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ राष्ट्र सेवा का दायित्व निभा पाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बल न केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हैं, बल्कि नक्सलवाद जैसी आंतरिक चुनौतियों का भी दृढ़ता एवं साहस के साथ सामना कर राष्ट्र की

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम ने कहा कि सैन्य

बलों के जवान एवं उनके परिवार राष्ट्र सेवा के लिए सदैव समर्पित रहते हैं। उन्होंने देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनके अदम्य साहस एवं त्याग पर सम्पूर्ण देश को गर्व है।

स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत जवानों के परिजनों एवं बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। जवानों की टीम ने 'नशा मुक्त मण्डला' विषय पर जनजागरूकता आधारित नाट्य प्रस्तुति भी दी। कार्यक्रम के दौरान महिला मंडल की सदस्यों को

हारमोनियम भेंट किए गए तथा मेधावी विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद बम्हनी बंजर की अध्यक्ष श्रीमती मीना हरदहा, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, कमांडेंट 35वीं वाहिनी, डिप्टी कमांडेंट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, जवान एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।



सालों साल हो जाते हैं, नहीं आती है जांच रिपोर्ट

जांच दल एवं जांच के नाम पर फर्जीवाड़ा

*** तात्कालीन कलेक्टर द्वारा दिये गये थे जांच के आदेश।**

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

पिछले कुछ वर्षों से ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा यानि आर.ई.एस. द्वारा संपन्न कराये गये कार्यों की व्यापक चर्चा हो रही है और चर्चा इस बात की है कि इस निर्माण एजेंसी द्वारा जो करोड़ों के कार्य संपन्न कराये जा रहे हैं उनमें कितनी आवंटित राशि का वास्तव में उपयोग हो रहा है और बाकी की राशि आखिर कहाँ जा रही है। विशेष रूप से ग्रेवल सड़क निर्माण कार्य



हो, स्टापडेम, पुल, पुलिया का

निर्माण हो या फिर अमृत सरोवर निर्माण कार्य हो इनमें जिस तरह की शिकायतें हुई हैं उस आधार पर तो महज 20 से 25 फीसदी राशि का ही उपयोग किया जा रहा है बाकी राशि कहाँ और किसके हिस्से जा रही है यह तो विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ही बता सकते हैं।

इन्हीं शिकायतों के आधार पर लगभग एक वर्ष पूर्व तात्कालीन कलेक्टर द्वारा जांच दल गठित कर आर.ई.एस. द्वारा संपन्न कराये गये कार्यों की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया था आज एक वर्ष से ज्यादा का समय बीत चुका है लेकिन न तो जिला पंचायत द्वारा गठित जांच दल की कोई जानकारी सामने आई और न ही जांच से संबंधित कोई खबर सार्वजनिक हुई अब तो जिला पंचायत के अधिकारियों से

ही पूछा जाना चाहिये कि उन्होंने जांच दल गठित किया भी था या नहीं यदि जांच दल गठित किया गया था तो उस जांच दल में कौन-कौन से अधिकारी शामिल थे, उन अधिकारियों ने कब-कब और कौन-कौन से कार्यों की जांच की और जांच के दौरान उन्हें क्या निर्माण कार्य उचित मिले, क्या जितना मूल्यांकन हुआ है उतनी राशि वास्तव में खर्च हुई है, क्या निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण संपन्न किये गये हैं और आज की स्थिति में निर्माण कार्यों की क्या वास्तविकता है इन सब बातों को लेकर न तो शिकायतकर्ता को ही कोई जानकारी है और न ही मीडिया को इसके बारे में कुछ अवगत कराया गया।

अब यदि जिले के मुखिया के आदेश पर जिला पंचायत जांच करने पर इतना गंभीर है तो समझा जा सकता है कि निर्माण कार्यों की

जिले में क्या स्थिति होगी, जांच को लेकर जो एक पूरी गैंग जिला पंचायत में काम कर रही है उसकी हकीकत भी सामने आती जा रही है कि किस तरह जिसके विरुद्ध शिकायत होती है पहले तो उसे बुलाकर अच्छी तरह डराया-धमकाया जाता है और फिर उसे जांच के तरीकों से बचने के तरीके भी सिखायें जाते हैं और इसके लिये बाकायदा हर तरह के ख़ोत उपलब्ध कराये जाते हैं और यह सब कुछ क्यों कराया जा रहा है इसे बताना आवश्यक नहीं इतना तो हर कोई समझ ही लेता है।

जांच को लेकर यह कोई एक मामला नहीं जिले में जितनी पंचायतें हैं इनमें से अधिकांश पंचायतों की शिकायतें आती रहती हैं और इस आधार पर जिला पंचायत में उन्हें इस तरह की सुविधा लगातार उपलब्ध कराई जा रही है जब पंचायतों के लिये सुविधायें उपलब्ध हैं तो फिर बड़ी-बड़ी निर्माण एजेंसी इससे कैसे अनभिज्ञ रह सकती हैं और यही कारण है कि 1-2 नहीं बल्कि 12 महीनों से ज्यादा का समय हो गया आर.ई.एस. निर्माण एजेंसी द्वारा संपन्न कराये गये कार्यों की जांच का प्रतिवेदन आज भी प्रस्तुत नहीं हो पाया है।

अब जबकि जिला पंचायत द्वारा कलेक्टर के आदेश का पालन न करते हुये शिकायत की जांच पर लापरवाही बरती गई आदेश की अक़्लेला की गई और कथित रूप से हुये भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने का जो प्रयास किया गया क्या उसकी हकीकत भी सामने आ सकेगी?

आवास-भवन निर्माण और वित्तीय योजनाओं की समीक्षा



*** घुटास, मवई एवं मेढा में सेक्टर बैठक संपन्न, राजस्व वसूली और स्वच्छता पर जोर।**

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

जिले में विकास कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में विकासखंड मवई के अंतर्गत सेक्टर घुटास, मवई एवं मेढा में सेक्टर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने सभी ग्राम पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायक एवं संबंधित विभागीय अमले की उपस्थिति में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की गहन समीक्षा की।

बैठक में टेक्स कलेक्शन में तेजी लाने, कचरा संकलन एवं निपटान की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने कहा कि स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए हर

ग्राम में नियमित रूप से कचरा उठाव सुनिश्चित किया जाए।

आवास योजना के तहत हितग्राहियों को समय पर किस्त जारी कर आवास पूर्ण कराने, वनाधिकार पट्टाधारियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा 15वें वित्त एवं 5वें वित्त आयोग की राशि से स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया गया।

इसके साथ ही नवीन ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन एवं आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कर हैंडओवर करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं समय पर मिल सकें।

सीईओ श्री मीना ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए फील्ड में नियमित भ्रमण कर कार्य की मॉनिटरिंग की जाए।



रात्रि अभियान में 41 निराश्रित मवेशी कांजी हाउस भेजे गए

मण्डला। नगर पालिका परिषद मंडला ने शहर की सड़कों पर घूम रहे 41 निराश्रित मवेशियों को विशेष रात्रि अभियान चलाकर गठित टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों से हटाकर कांजी हाउस में सुरक्षित भेजा गया। नगर पालिका ने बताया कि शहर में यातायात व्यवस्था सुचारु रखने तथा दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पशुपालकों से अपील की गई है कि वे अपने मवेशियों को खुले में न छोड़ें और उन्हें अपने नियंत्रण में रखें, ताकि शहर की सड़कों पर आवारा मवेशियों को समस्या उत्पन्न न हो।

अंडर 15 स्टेट फुटबॉल चैपियंस का हुआ जोरदार स्वागत



*** मंडला ने इतिहास रचते हुए फाइनल में इंदौर को को 2 / 4 से मात।**

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में बालाघाट के तिरोड़ी में आयोजित अंडर 15 स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट में इंदौर को मुक़ाबले चार गोलों से हराकर चैपियन बनी मंडला टीम के वापस आने पर गुरुवार को बस स्टैंड में जोरदार स्वागत किया गया। बालाघाट के तिरोड़ी में 28 जुलाई से 5 अगस्त तक आयोजित अंडर 15 स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश की 16 टीम ने भाग लिया था। इसमें छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट, जबलपुर, सागर, शहडोल, सिंगरौली, बैतूल, सीहोर, शिवपुरी, भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर, नीमच, देवास, ग्वालियर शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में जिला फुटबॉल संघ मंडला की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चैपियन बनने का गौरव हासिल किया है।

मंडला जिला फुटबाल संघ के सचिव व टीम मैनेजर पंकज उसराठे ने बताया कि मंडला की टीम में मंडला, मोहगांव, नैनपुर के खिलाड़ी शामिल थे। प्रतियोगिता के दौरान मंडला ने पूल गेम में छिंदवाड़ा को 15 / 0, जबलपुर को 2/4 से हराकर अपने पूल में टॉप किया। सेमीफ़इनल में मंडला

का मुक़ाबला शहडोल को 6 /0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में मंडला का मुक़ाबला इंदौर से हुआ। यह मैच काफी रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। निर्धारित समय तक दोनों ही टीम कोई भी गोल करने में कामयाब नहीं हुई। नतीजतन मुक़ाबला पेनल्टी शूटआउट तक गया। इसमें भी मंडला के खिलाड़ियों ने बेहतर दम और स्किल दिखाते हुए दो 4 गोल दागे जबकि इंदौर की टीम महज दो पेनल्टी किक को ही गोल में तब्दील कर पाई। इस तरह मंडला ने निर्णायक मुक़ाबले में इंदौर को 2 / 4 से शिकस्त देकर अंडर 15 स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट चैपियन बनी।

टीम की इस उपलब्धि पर मंडला के खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। चैपियन बनने के बाद मंडला लौटने पर टीम का शानदार स्वागत हुआ। बीएस स्टैंड में जिला फुटबाल संघ के पदाधिकारी /सदस्य, खेल प्रेमी व खिलाड़ियों के अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद थीं। सभी ने खिलाड़ियों को फूलों की माला पहनकर व मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद बैंड बाजे के साथ चैपियन टीम चिलमन चौक पहुंची जहां नगर के खेल प्रेमियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष डॉ. दिलीप शर्मा ने इसे भावुक छड़ बताया। उन्होंने कहा कि देश के साथ - साथ अब मंडला भी करवट बदल रहा है। अब मंडला

के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा बिखेरने के लिए तैयार है। वरिष्ठ हॉकी व फुटबॉल खिलाड़ी मतीन खान ने इस एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए मंडला के लिए गौरव का छड़ बताया। उन्होंने ने कहा कि यह बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ियों ने इतिहास रचा है। हम जो कल्पना करते थे उसे इन बच्चों ने कर दिखाया। मध्य प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के सहसचिव चंद्रेश खोरे ने भी इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि जिला फुटबॉल संघ ने इसके लिए कड़ी मेहनत की है। जिस तरह से मंडला 6 मोहगांव में फुटबॉल को लेकर माहौल है उससे लगता है कि हम जल्द सीनियर चैपियन भी बन सकते हैं।

आम इशतहार
मैं अरविन्द अग्रवाल पिता स्व. श्री गणेश प्रसाद अग्रवाल उम्र 64 वर्ष रेलवे स्टेशन रोड महा राजपुर तहसील व जिला मंडला के नाम से वनविभाग की अनुमति के आधार पर अपनी निजी भूमि जिसका खसरा क्रमांक 10/1 मैं पिछले 25 वर्षों से आरा मशीन का संचालन कर रहा हूं। व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण जिस परिसर में आरामशील स्थापित है उसी परिसर में अपने स्वामित्व व कच्चे खसरा क्रमांक 2/12 भूमि में आरा मशीन स्थापित करना चाहता हूं। अतः मेरे द्वारा आरा मशीन के स्थानांतरण पर यदि किसी व्यक्ति की कोई आपत्ति है तो 15 दिन के भीतर लिखित में आपत्ति पेश करें। अन्यथा मेरे द्वारा आरा मशीन स्थानांतरण की कार्यवाही की जावेगी।
अरविंद अग्रवाल



सात साल पहले तालाब फूटने का कौन था जिम्मेदार..

जांच के लिये दिये गये भरोसे का क्या निकला परिणाम...आज तक किसी को नही चल पाया कोई पता, कही बहुबल व लक्ष्मी पूजन के भरोसे फाईलों को दीमक तो नही खा गई....?



हरिभूमि न्यूज/सालीचौका

जब क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित होती है तो निश्चित तौर से उस पर दुख व्यक्त करने वाले नेताओं से लेकर अधिकारियों की लाईन लगने से नही चूकती है और मौके पर दोषियों पर कार्यवाही करने का भरोसा दिलाने से भी नही चूकते है। मगर ज्यो ज्यो दिन व माह के बाद साल व्यतीत होते जाते हे त्यो त्यो उस घटना को भुला दिया जाता है...? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई आज से लगभग सात साल पहले यानि की 3 सितम्बर 2019 को क्षेत्र में उस समय देखने मिली थी जब सुबह समीपस्थ ग्राम रहमा सहित देवरी के लोगो को उगते हुये सूरज के बीच बर्बादी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा था शायद ही वहां के निवासी उस मंजर को क्षेत्र के लोग शायद ही कभी भुला पायेगे...? ज्ञात हो कि उस समय अचानक एक नाले में आये सैलाब के बीच देखते ही देखते सब कुछ चंद निमिटों में उजड़कर चला गया था। वही अनेक लोगों के आवास धराशायी हो गये थे। क्योंकि लोगों के घरों के अंदर बंधे हुये अनेक मवेशी दबकर मर जाने के साथ साथ किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले बर्बाद होने से नही चूक पायी थी। इसको लेकर शुरू से ही यह सवाल पैदा होने से नही चूक रहा था कि आखिर इसका जिम्मेदार कौन है..? इस सच्चाई को लगभग सात साल का समय बीतने को है। मगर घटना की सच्चाई पर हुई जांच का न तो क्षेत्रवासियों का कोई पता चल पाया है और नही उनकी हुई क्षति की भरपाई हो पाई है..? ज्ञात हो कि जिस तरह से ग्राम रहमा देवरी के पास से निकला हुआ केवलारी नाले में अचानक बाढ़ को जो मंजर देखने मिला था। वह निश्चित तौर से अनेक संदेहों को जन्म देने से नही चूक पा रहा था..? बताया जाता है कि उस नाले में बाढ़ आने की कल्पना कभी नही की जा सकती है।



मगर इसके बाद भी अचानक आई इस केवलारी नाले की बाढ़ ने जिस प्रकार से ग्राम रहमा सहित देवरी व अन्य गांवों में जो कहर दाय़ा गया था उसके चलते अनेक लोग बेघर होने के बाद कई दिनों तक खुले आसमान के नीचे रहने के लिये मजबूर होते हुये देखे गये थे। वही दूसरी ओर अनेक लोगों के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो जाने के कारण उनके द्वारा बड़ी मुश्किलों के बीच अपना जीवन व्यतीत करते हुये आज भी देखा जा रहा है..? क्योंकि इस प्रकार से एक छोटे से नाले में अचानक आई उस बाढ़ ने जिस तरह की तबाही मचाई गई थी उसकी सूचना मिलते ही जहां तत्कालीन जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना तथा तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डा. गुरुकरन सिंह सहित क्षेत्र की तत्कालीन विधायक श्रीमति सुनीता पटेल द्वारा तुरंत क्षेत्र का भ्रमण करते हुये जहां पीड़ितो लोगों को सहायता करने का भरोसा दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी हुई थी। वही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की व्यवस्थाएं भी बनाये जाने के साथ ही साथ इस घटना में हुई क्षति का सर्वे करने के आलवा संपूर्ण घटनाक्रम की जांच के आदेश भी जारी किये थे..? ज्ञात हो कि इस नाले में आई बाढ़ जो इन ग्रामों के लोगों को बर्बादी की कारा पर पहुंचा दिया गया था। मगर उसकी सच्चाई का पता लगाने का प्रयास किया गया था तो जानकारी मिली थी कि जंगल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टूडनी के पास बने हुये पांच तालाबों के रख रखाब में बरती गई लापरवाही का परिणाम था कि उनके फूट जाने के कारण ही केवलारी नाले में इस प्रकार से बाढ़ का मंजर देखने मिला था और उस लापरवाही ने ग्राम देवरी, बारहाबड़ा सहित ग्राम रहमा के अनेक लोगों को बेघर करते हुये बर्बाद करने में कोई कसर नही छोड़ी हुई थी? वही दूसरी ओर बीते हुये सात साल पहले इस संबंध में जब राजस्व विभाग के अधिकारी से चर्चा की गई थी तो उनका कहना था कि ग्राम रहमा के पास से निकले हुये केवलारी नालें में अचानक आई बाढ़ का कारण यह है कि



जंगल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टूडनी के पास बने हुये 1 वन विभाग का तालाब तथा 4 निजी तालाबों के फूटने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई थी। मगर उन तालाबों के रख रखाब में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ क्या कार्यवाही हुई इस सच्चाई का किसी को आज तक कोई पता नही चल पाया है..? कही ऐसा तो नही की माता लक्ष्मी जी के आशीर्वाद के चलते गरीबों की बर्बादी का मंजर सिर्फ जांच की फाईलों में ही दब कर दीमक के हवाले हो गया हो..? इस प्रकार से नाले में तालाब फूटने के कारण आई हुई बाढ़ के कारण जहां अनेक पशु मृत हो गये थे। वही अनेक लोगों के मकान गिर जाने के कारण लोग आवास हीन होने से बेघर होकर पूरा बारिश का मौसम खुले आसमान के नीचे काटते हुये देखा गया था। इस प्रकार से अनेक किसानों के खेतों में अधिक पानी भरने के कारण उनकी फसले भी खराब हुई है जिनका सर्वे कराया जाने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का भरोसा भी मिला था...। मगर कार्यवाही के नाम पर क्या हुआ है इस बात का पता खोजने से भी नही मिल पा रहा है..? इस प्रकार से अधिकारियों द्वारा नाले में अचानक आई हुई बाढ़ का तालाब फूटने का कारण तो स्पष्ट कर दिया गया था कि जिसमें एक तालाब वन विभाग का तथा चार तालाब निजी बताये जा रहे थे...? इस सच्चाई के उजागर होने के उपरांत यह सवाल यह पैदा होने से नही चूक पा रहा था कि जो निजी तालाब इस क्षेत्र में बनाये गये थे और वह ग्रामीणों की बर्बादी का कारण साबित हुये थे तो फिर क्या शासन के द्वारा उनकी अनुमति दी गई थी..? इस प्रकार से भले ही इस घटना को पूरा लगभग छः साल का समय बीतने को है। मगर आज भी उस मंजर को याद करते हुये जहां ग्रामीणों की आंखों में आंसू छलकने से नही चूकते है तो दूसरी ओर आज भी बर्बाद हुये लोग इस बात का इंतजार करते हुये देखे जा रहे है कि आखिरकार उनको इस बर्बादी का जिम्मेदार कौन था और प्रशासन ने उनके



खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है...? इतना ही नही इस मामले में इतना लम्बा समय बीते जाने के बाद क्या जांच हुई तथा पीड़ितों के लिये क्या सहायता मिली यह सच्चाई आज तक किसी को कोई पता नही चल पाया है..? वही दूसरी यदि गौर किया जावे तो जिस प्रकार से फूटने वाले तालाब किसानों थे और उनके खिलाफ क्या कार्यवाही हुई है। इस तरह जिले से लेकर तहसील स्तर के अनेक अधिकारी बदल चढ़ल चुके है। मगर इसके बाद भी पीड़ित जन सच्चाई उजागर होने का आज भी इंतजार करते हुये देखे जा रहे है...? वही इस घटना को लेकर क्षेत्रवासियों का कहना है कि कही ऐसा तो नही कि इस बर्बादी के मंजर की सच्चाई वाली फाईल जांच के नाम पर लक्ष्मी जी के आशीर्वाद के चलते सरकारी कार्यालय में नीचे दबने के बाद उनको दीमक तो नही खा गये है....? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने। मगर इस संबंध में जब ग्राम रहमा के लोगों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि हम वर्षों से देख रहे है कि इस नालें में कितनी भी बारिश हो जावे मगर बीते हुये लगभग सात साल वर्ष पहले 3 सितम्बर 2019 के समान बाढ़ कभी नही आई है और जो बाढ़ आयी थी उसका कारण बारिश नही थी वह तो निश्चित ही किसी न किसी की लापरवाही का ही परिणाम था जो हम लोगों को पूर्णरूप से बर्बाद किये जाने के बाद भी आज तक दोषियों के खिलाफ किसी भी प्रकार को कोई कार्यवाही नही हुई है। यह बात सत्य है कि उस समय अनेक जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर नेताओं ने हमारे यहां बर्बादी का मंजर देखते हुये लोगों के पुड़ी तिरकारी बांटते हुये दोषियों पर कार्यवाही का भरोसा दिलाने के लिये हम हर संभव मदद करने की बात कही गई थी। मगर एक पंच वार्षिय कार्यकाल से अधिक समय बीते जाने के बाद भी भेमे इस बात का पता ही नही चल पा रहा है कि आखिरकार दोषियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है....?

डिजीटल इंडिया बनाने सपने को इस स्थिति में कहा तक मिल पायेगी सफलता, धान का कटोरा कहे जाने वाले सालीचौका क्षेत्र में आये दिन लेनदेन के लिए भटकते है लोग

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। जिस प्रकार से सालीचौका क्षेत्र का विकास हो रहा है उसे देखते हुए क्षेत्र के लोग अनेक जरूरी सुविधाओं के आभाव में परेशान होते हुए देखे जा रहे है, क्षेत्रवासियों की परेशानियों को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद इस ओर क्षेत्र के नेताओं द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान न देना निश्चित ही चिंता जनक बात साबित होने से नही चूक रहे है? वही दूसरी ओर यदि सालीचौका क्षेत्र की विकास गति पर गौर किया जावे तो जहां कृषि के क्षेत्र में सालीचौका को धान का कटोरा कहा जाता है। वही क्षेत्र में दो बड़ी बड़ी राईस मिलों के साथ साथ बड़ी बड़ी दो शुगर मिले भी संचालित हो रही है, वही व्यापक स्तर पर अनाज का व्यापार करने वाली चारियों के आलवा यहां पर उप पुलिस चौकी, शासकीय चिकित्सालय केन्द्र व बिजली ऑफिस तथा हायर सेकेण्डरी स्कूलों के आलवा देखा जावे तो सालीचौका क्षेत्र से आस पास के अनेक गांव जुड़े हुये है जो सालीचौका की व्यवस्थाओं पर आधारित रहते है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में किसी बड़ी बैक की स्थापना न होना आम लोगों के लिए परेशानी का सबसे बड़ा कारण साबित होते हुए देखा जा रहा है, एक ओर जहां देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत देश को संपूर्ण विश्व में अलग दर्जा प्रदान करने की सोच रखते हुए डिजीटल बनाने की सोच रखते हुए संपूर्ण लेनदेन केश लेंस करने में लगे हुये है जिसके चलते लोगों के खोते बैकों में खुलवाने से हर लेने देन के कार्य को बैकों में माध्यम से कराना चाहते है। वही दूसरी ओर शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिए भी हितग्राहियों के खातों में पैसा डालते हुए बैकों में माध्यम से उन तक पहुंचाया जा रहा है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में मात्र एक बैक के भरोसे क्या डिजीटल इंडिया होने का सपना पूरा हो पायेगा यह सिर्फ सोचने वाली बात ही नही बल्कि चिंता



जनक सच्चाई है? इस प्रकार से देखा जावे तो यहां पर स्थित मात्र एक यूकी बैक की ब्रांच होने के कारण लोगों का लेनदेन के लिए दिन भर भीड़ लगी हुई देखी जाती है। वही दूसरी ओर दूसरे गांवों से आने वाले लोग बैक के कार्यों के चलते दिन दिन भर बैक के सामने बैठे हुए दिखाई देते है, जिसमें इस समय केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किये जाने वाले प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर अन्य प्रकार की योजनाओं के तहत हितग्राहियों की राशि भी बैक के खातों में आने के कारण नगर की एक मात्र बैक ब्रांच में हितग्राहियों का अपनी राशि निकालने के लिए मेला लगते हुए दिखाई दे रहा है। कहने के लिए तो यहां पर एटीएम की स्थापना की गई है मगर एटीएम की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई देखी जा रही है कि आये दिन एटीएम के रूपयों की कमी या फिर अन्य गड़बड़ी के चलते एटीएम मात्र शोभा की सुगुरी बनकर रह गया है? इस प्रकार अनेक समस्याओं से जूझ रहे सालीचौका क्षेत्र में आम लोगों की परेशानियों से निजात दिलाने के लिए न तो आज तक किसी बडे नेता द्वारा आवाज उठाई गई है और न ही उन छुटभैया नेताओं द्वारा उन परेशानी लोगों की समस्याओं



पर ध्यान दिया जा रहा है जो आये दिन अपने आप को प्रभावशाली बताने के साथ समस्याओं से निजात दिलाने का भरोसा दिलाते हुए अपने कुर्ता की सफेदी का रौब दिखाने में कोई कसर नही छोड़ते है? जबकि सालीचौका क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए सालीचौका में कम से कम चार पांच बैकों की स्थापना महसूस किये जाने लगी है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो सालीचौका में स्थापित इस बैक की क्षमता को ध्यान में रखते हुए अनेक व्यापारियों द्वारा मजबूरी बस अपना लेनदेने भारतीय स्टेट बैक के माध्यम से करते हुए देखा जाता है। इस स्थिति में अनेकों बार देखा गया है कि जब लोग अपना नगदी जमा करने या फिर गाइरवारा से नगदी लेकर यहां आते है तो लूट जैसी घटना घटित हो चुकी है, जिसके चलते सालीचौका से बाहर की बैकों में लेनदेन किये जाने के कारण लोगों में दहशत देखने मिलती है? मगर इसके बाद भी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी के चलते क्षेत्र के विकास पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर क्षेत्र के लोग परेशानियों से घिरे हुए देखे जा रहे है।

शिक्षा विभाग के वार्षिक कैलेण्डर के अनुसार आयोजित किये जा रहे विभिन्न खेलों के आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी के वार्षिक खेल कैलेण्डर सत्र 2026-27 के अनुसार जिला स्तरीय शालेय तैराकी, ड्राइविंग, वाटरपोलो अंडर 14 17 एवं 19 आयु वर्ग बालक/ बालिका क्रीडा प्रतियोगिता नगर के एक निजी स्कूल में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विकासखंड से आये छात्र छात्राओं ने तैराकी कौशल का प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने तैराकी की विभिन्न विद्याओं में अपने जौहर दिखाते हुए दमदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता उपरांत कटनी में आयोजित होने वाली संगमन स्तरीय तैराकी स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके बेहतर खेल के आधार पर किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन में सांदीपनी स्कूल



साईंखेड़ा के विद्यार्थी आगे रहे। इस आयोजन में प्राचार्य डॉ सोपा दास, ब्लॉक खेल प्रमारी सत्यप्रकाश दिमोले, डॉ

सांदीपनी स्कूल का अधिकारियों ने किया अवलोकन



हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा। शिक्षा के स्तर में सुधार लाने व संस्थाओं की व्यवस्थाओं पर नजर रखने के लिये अधिकारियों द्वारा समय समय पर अचानक पहुंचकर शिक्षण संस्थाओं का निरीक्षण किया जाता है। इसी के चलते बीते हुये द्रवस जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप कुमार द्विवेदी ने साईंखेड़ा के सांदीपनी स्कूल का अवलोकन किया। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने कक्षा 5 में जाकर विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई से जुड़ी जानकारी ली गई। वही दूसरी ओर बच्चे हिंदी विषय की पढ़ाई कर रहे थे। तो इस मौके पर उन्होंने कहा कि बच्चों की विषय पर समझ विकसित हो इस उद्देश्य को लेकर कार्य करें। अगली बार पुनः स्कूल में आने की बात कही गई। बताया जाता है कि इस अवसर पर एपीसी मनीष चौकसे, समीर त्यागी, बीआरसी सांदीपन स्थापक, डी के पटेल, स्कूल प्राचार्य चन्द्रकांत विश्वकर्मा, शिक्षक दुर्गेश शुक्ला एवं प्रियंका अग्रवाल सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे।

बीटीआई स्कूल में आयोजित किया गया विधिक साक्षरता शिविर, बच्चों को दी गई मानजूनी जानकारीयाँ

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। बच्चों को कानूनी जानकारीयों से अवगत कराने के लिये समय समय पर विधिक सेवा द्वारा शिविरों के आयोजन किये जाते है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस म.प्र. राज्य ़विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार एवं मा. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष अखिलेश शुक्ला, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व तहसील विधिक सेवा समिति गाइरवारा के अध्यक्ष मा. जिला न्यायाधीश श्रीमति संतोषी बासनिक के मार्ग दर्शन में शहर के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीटीआई स्कूल में नालसा डॉन योजना (नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता एवं स्वास्थ्य मार्ग दर्शन सहित नशीली दवाओं से मुक्त भारत) वृषय पर आधारित न्यायाधीश अजय सिंह यादव JMFC गाइरवारा की उपस्थिति में विधिक साक्षरता का आयोजन तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा किया गया। बताया जाता है कि उक्त शिविर में मा अजय सिंह यादव, व्यवहार न्यायाधीश द्वारा मौजूद युवाओं को उनके शक्तियों से परिचित करवाते हुये विद्यार्थियों को भविष्य में आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करते हुये कानून को बहुत ही सरल भाषा में बताते हुये समझाया कि क्या करना है और क्या नही करना है। इसके साथ ही युवाओं को डिजिटल साक्षरता और साईबर सुरक्षा से जुडे अहिम बिंदुओं के बारे में जागरूक ़क्या गया। इस मौके पर मोबाईल से संबंधित छोटे छोटे अपराधों जैसे अश्लील वीडियो, भैसेज,



टिप्पणीयां न करने एवं सायबर क्राइम जैसे फर्जी कॉल या संदेश में आई OTP से बचने की सलाह दी गई। इसके अतिरिक्त न्यायाधीश ने अपने संबोधन में छात्रों से मैत्रीपूर्ण तरीके से कहा कि हम नशे जैसी चीज को एक शोक के रूप में भी प्रयोग नही करना चाहिये। हमे जितना हो सके इससे दूर ही रहना चाहिये। क्योंकि किसी भी प्रकार का नशा शुरूआत के बाद आदत में आ जाता है और वह संपूर्ण भविष्य को बर्बाद करने से नही चूकता है। वहीं जिन्दगी के लिये जानलेवा बन जाता है। इस मौके पर मोटरयान के तहत जरूरी जानकारीयों से भी अवगत कराया गया। इस मौके पर संस्था प्राचार्य श्रीमति पुष्पा बरैया, राजेश दुबे, बलिराम अहिरवार, के के राजोरिया, श्रीमति गीता राय, श्रीमति किरण अग्रवाल, सतीश परिहार, सूर्यकांत उर्देनिया, रोहित बाल्मिकी, अवधेश श्रीवास्तव, शिखा सोनी, अखिलेश सोनी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आज सालीचौका में लगेगा जनसंवाद शिविर, मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का पहला कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण, जनसंवाद एवं उद्यमी संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का शुभारंभ आज 7 अगस्त 2026 से हो रहा है। अभियान की शुरुआत के पहले द्रवस अधिकारियों द्वारा गाइरवारा क्षेत्र के निर्धारित ग्रामों का भ्रमण कर आमजन की समस्याओं का निराकरण एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अधिकारियों का भ्रमण गाइरवारा, कामती, पिटेहरा, नांदनेर एवं बेलखेड़ी से होते हुए सालीचौका तक रहेगा। कार्यक्रम का मुख्य शिविर नगर परिषद सालीचौका में आयोजित होगा। कार्यक्रम के दौरान दोपहर 2 बजे से 3:30 बजे तक प्राप्त शिकायतों, लोकसेवा गारंटी एवं अन्य प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 3:30 बजे से शाम 5 बजे तक जनसंवाद आयोजित होगा, जिसमें आमजन अपनी समस्याएं एवं सुझाव सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकेंगे। साथ ही शाम 4 बजे से 5 बजे तक उद्यमी संवाद आयोजित कर स्वरोजगार एवं उद्योग संबंधी प्रकरणों पर भी चर्चा एवं निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय पर भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद कार्यक्रम में उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

पंचायतों के विकास कार्यों के नाम शासन को लग रहा चूना, अधिकारियों को मिल रहा प्रभावशाली वरिष्ठों का संरक्षण?

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। जिस प्रकार से सरकार द्वारा गांवों की सूख बदलने के लिए पंचायती राज व्यवस्था लागू करके इसकी सफलता के लगातार प्रयास तो किये जा रहे है, मगर पंचायतों का विकास सिर्फ कामगो तक ही सीमित होते हुए दिखाई देने के साथ उनका कारकाल समाप्त की ओर पहुंचते हुये दिखाई देने लगा है। जब ग्रामीण अंचलों की की ओर रूख किया जाता हो तो पंचायती राज के विकास कार्यों को पोल अपने आप की खुलते हुए दिखाई देने लगती है? क्योंकि पंचायतों में हुये विकास कार्य उसी सरपंच के कारकाल को पूरा नही हो पाने के पहले ही अपने गुणवत्ता की सच्चाई बताते हुए टूटते हुए दिखाई देने से नही चूक रहा है

एक अन्य दूसरे स्थान पर कराया गया। बताया जाता है कि ब्लॉक स्तरीय शालेय हैंड बॉल प्रतियोगिता का आयोजन न्यायाधीश शासकीय पीएमश्री शासकीय बालक उ मा विद्यालय (बीटीआई) में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के छात्र छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अपने जौहर दिखाए। प्रतियोगिता उपरांत जिला स्तरीय स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया। ब्लॉक खेल प्रमारी सत्यप्रकाश दिमोले के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन को संपन्न कराने में पुष्पा बरहैया, राजेश दुबे, पीटीआई विक्रम शर्मा, मुकेश पटेल, मनीष कोष्टी, आरिज खान, शकुंतला मांडवी, रोहित वाल्मीकी मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

चुन्नी लाल आ. श्री जीवन लाल उम्र 54 वर्ष निवासी ग्राम हीरापुर, तहसील गाइरवारा, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) द्वारा शपथ पत्र प्रस्तुत करते बताया है कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूं तथा शपथकर्ता की पुत्री खुशी कौरव (Khushi Kourav) का जन्म दिनांक 20.03.2013 को हुआ था तथा उसके आधार कार्ड में नाम नृदिश अनन्या कौरव दर्ज हो गया है जबकि मेरी परिवार समग्र आई डी व पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र एवं पुत्री के शालेय रिकार्ड में उसका नाम खुशी कौरव दर्ज है। अतः मेरी पुत्री खुशी कौरव के आधार कार्ड क्रमांक 407140940540 में उसका नाम अनन्या कौरव के स्थान पर खुशी कौरव दर्ज करना चाहता हूं। क्योंकि खुशी कौरव व अनन्या कौरव नाम से एक ही लड़की यानि की मेरी पुत्री है। इसलिये मेरी बेटी का अनन्य कौरव के नाम के स्थान पर सही नाम खुशी कौरव दर्ज किया जावे और भविष्य में इसी नाम से उसे पढ़ा लिखा व पहचाना जावे।

शपथ कर्ता
चुन्नी लाल उम्र 54 वर्ष
आ. श्री जीवन लाल
निवासी ग्राम हीरापुर, तहसील- गाडवारा
जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)



अमरपुर में नवीन महाविद्यालय भवन का लोकार्पण



विद्यार्थियों को मिलेंगी आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं

डिंडोरी। अमरपुर में नवीन महाविद्यालय भवन का लोकार्पण गुरुवार को गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश धुर्वे रहे। समारोह में जनप्रतिनिधि, महाविद्यालय परिवार, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। लोकार्पण के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए विधायक धुर्वे ने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला है। ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए मजबूत शैक्षणिक अधोसंरचना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नवीन महाविद्यालय भवन के निर्माण से विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर अध्ययन वातावरण मिलेगा, जिससे क्षेत्र में उच्च शिक्षा को नई दिशा मिलेगी। विधायक ने विश्वास व्यक्त किया कि यह भवन क्षेत्र के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव साबित होगा और शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने नवीन महाविद्यालय भवन को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए इसके निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा भवन निर्माण में सहयोग देने वाले सभी संबंधित विभागों और व्यक्तियों के प्रति आभार प्रकट किया।



जिला चिकित्सालय में निःशुल्क बाल हृदय जांच शिविर

60 बच्चों की ईको जांच, पांच में जन्मजात हृदय रोग की पुष्टि

डिंडोरी।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत गुरुवार को जिला चिकित्सालय डिंडोरी में निःशुल्क बाल हृदय जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिले के विभिन्न विकासखंडों से चिन्हित 60 बच्चों की विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा ईको जांच की गई। जांच के दौरान पांच बच्चों में जन्मजात हृदय रोग (सीएचडी) की पुष्टि हुई, जिन्हें निःशुल्क उच्च स्तरीय उपचार के लिए रेफर किया गया। शिविर का आयोजन कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पांडे, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. रमेश मरावी तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक विक्रम सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक (आरबीएसके) ओम प्रकाश उर्रेती ने किया।

शिविर में अमरपुर से 8, डिंडोरी से 36, मेंहदवानी से 8, समनापुर से 4 और शहपुरा से 4



बच्चों सहित कुल 60 बच्चों का पंजीयन किया गया। इन सभी बच्चों को मोबाइल हेल्थ टीम ने पूर्व में संभावित जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित होने की आशंका के आधार पर चिन्हित किया था। जबलपुर के मेट्रो हॉस्पिटल से आए वरिष्ठ

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. के.एल. उमामहेश्वर ने बच्चों की ईको जांच की। जांच में पांच बच्चों में हृदय संबंधी गंभीर समस्या पाई गई। इनमें तीन बच्चों को आगे के उपचार के लिए मेट्रो हॉस्पिटल, जबलपुर तथा दो बच्चों को मुंबई के उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थान में रेफर किए जाने के लिए चिन्हित किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से जन्मजात बीमारियों की समय पर पहचान कर बच्चों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे गंभीर बीमारियों का समय रहते इलाज संभव हो रहा है और बच्चों के स्वस्थ भविष्य को सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। शिविर में आयुष चिकित्सक डॉ. आकाश सिन्ध्या, डॉ. मुकेश परते, डॉ. ऋषिकेश सिंह, डॉ. हर्षवर्धन सिंह धुर्वे, डॉ. नागेश मानिकपुरी, डॉ. प्रभात अवधिया, डॉ. बलराम सिंह उड्डेक, डॉ. डॉली चौधरी, एएनएम कविता पटेल, किरण सोनी, डीईआईसी की पूजा बर्मन सहित स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा।

खुड़िया में प्राथमिक कक्षाएं संचालित करने की मांग, शिक्षा विभाग ने दिया

अमरपुर। सांदीपनी विद्यालय का नवीन भवन मानपुर में संचालित किए जाने के विरोध में गुरुवार को खुड़िया के ग्रामीणों और अभिभावकों ने विद्यालय का बहिष्कार किया। अभिभावकों ने बच्चों के साथ पुराने विद्यालय परिसर में घरना देकर मांग की कि विद्यालय भवन का निर्माण स्वीकृत ग्राम खुड़िया में किया जाना चाहिए था और छोटे बच्चों की पढ़ाई भी वहीं संचालित की जाए। जानकारी के अनुसार, नवीन विद्यालय भवन का लोकार्पण 15 जुलाई को किया गया था और 3 अगस्त से वहां कक्षाओं का संचालन शुरू हुआ। विद्यालय में करीब 550 विद्यार्थियों का पंजीयन है, लेकिन गुरुवार को केवल 50 से 60 छात्र

सांदीपनी विद्यालय के नए भवन में कक्षाएं शुरू, अभिभावकों ने किया बहिष्कार



ही उपस्थित हुए। ग्रामीणों का कहना है कि पुराने और नए विद्यालय भवन के बीच लगभग तीन किलोमीटर की दूरी है। रास्ते में नदी और मुख्य सड़क पड़ती है, जहां लगातार वाहनों का आवागमन रहता है। ऐसे में केजी-

पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें समझाई दी। उन्होंने सहायक आयुक्त से दूरभाष पर चर्चा के बाद ग्रामीणों से उनकी मांग का प्रस्ताव भेजने को कहा। साथ ही आश्वासन दिया कि जिला कलेक्टर से चर्चा के बाद केजी-1 से कक्षा 6वीं तक के विद्यार्थियों के लिए खुड़िया में ही वैकल्पिक व्यवस्था करने का प्रयास किया जाएगा। छात्रावास एवं परिवहन व्यवस्था उपलब्ध होने तक अन्य विकल्पों पर भी विचार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विद्यालय में खुड़िया सहित आसपास के लगभग नौ गांवों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिन्हें नए भवन तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

बजाग आकांक्षी विकासखंड के 38 इंडिकेटरों की समीक्षा, अनुपस्थित अधिकारियों को नोटिस के निर्देश

डिंडोरी। आकांक्षी विकासखंड बजाग की प्रगति की समीक्षा बैठक गुरुवार को जनपद पंचायत बजाग में आयोजित हुई। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अक्षय डिगरसे ने की। बैठक में आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के तहत चिन्हित 38 इंडिकेटरों की विभागवार समीक्षा कर प्रगति में सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षकों को प्रत्येक माह सभी आंगनबाड़ियों का नियमित निरीक्षण करने तथा पोषण ट्रेकर में पेयजल, शौचालय, बिजली और पोषण आहार से संबंधित जानकारी समय पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

शिक्षा विभाग को सीडब्ल्यूएसएन प्रशिक्षित शिक्षकों का प्रशिक्षण शीघ्र पूरा कराने, कक्षा 8वीं से 9वीं में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने, अनुपस्थित विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय से जोड़ने तथा कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पशुपालन विभाग को एफएमडी टीकाकरण में लक्ष्य के अनुसूप प्रगति लाने तथा स्वास्थ्य विभाग को एनसीडी और एमसीटीएस पंजीयन बढ़ाने के साथ नियमित



स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान कृषि, विद्युत, बीएसएनएल और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचडी) विभाग के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर एसडीएम ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं शिक्षा विभाग को अद्यतन जानकारी के साथ आगामी समीक्षा बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए कहा गया। बैठक में जनपद पंचायत बजाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सचिन अग्रवाल, नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक फेलो डॉ. विकास जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

एक हजार रुपये के विवाद में पत्नी की पीट-पीटकर हत्या

डिंडोरी। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बड़ी बिछिया से पति-पत्नी के रिश्ते को शर्मसार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। महज एक हजार रुपये के विवाद ने एक महिला की जान ले ली। शुरुआत में मामले को सामान्य मौत या मामूली विवाद का रूप देने की कोशिश की गई, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की गहन जांच ने पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, ग्राम बड़ी बिछिया निवासी रामकली बनवासी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने के बाद मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मृतका के बेटे सोनू बनवासी ने बताया कि उसने अपनी मां को घर खर्च के लिए एक हजार रुपये दिए थे। इसी रकम को लेकर



पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुला राज

रामकली और उसके पति पप्पू बनवासी के बीच विवाद शुरू हो गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पति बार-बार पत्नी से रुपये मांग रहा था, लेकिन रामकली ने पैसे देने से इनकार कर दिया। इसी बात से नाराज होकर 3 अगस्त 2026 की रात आरोपी ने अपना आपा खो दिया और पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट की। मारपीट के दौरान रामकली को गंभीर

अंदरूनी चोटें आईं, हालांकि उस समय किसी को इन चोटों की गंभीरता का अंदाजा नहीं हो सका। मामले ने उस समय नया मोड़ लिया जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई। मेडिकल जांच में स्पष्ट हुआ कि रामकली की मौत दिलिल्ली (स्प्लिन) फटने और उसके कारण हुए अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव से हुई। रिपोर्ट ने साफ कर दिया कि महिला की मौत प्राकृतिक नहीं, बल्कि मारपीट से लगी गंभीर चोटों का

परिणाम थी। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्यों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि घटना के बाद आरोपी पति ने पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया, ताकि घटना को सामान्य मौत का रूप दिया जा सके और उस पर संदेह न हो। हालांकि पुलिस ने सभी तथ्यों और साक्ष्यों को जोड़ते हुए आरोपी की कहानी का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने आरोपी पप्पू बनवासी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना सभी वैज्ञानिक एवं चिकित्सीय साक्ष्यों के आधार पर की गई है। इस घटना ने एक बार फिर घरेलू विवादों के हिंसक रूप और पारिवारिक रिश्तों में बढ़ती क्रूरता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

महिलाओं के सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का सपना होगा साकार : कलेक्टर

डिंडोरी। कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में गुरुवार को महिला जनप्रतिनिधियों की जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, कानूनी अधिकारों और महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना विकसित भारत का सपना साकार नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का परिचय दे रही हैं तथा देश-विदेश में भारत का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि "मैं पहले एक महिला हूँ, उसके बाद अधिकारी।" कई महिलाएं अपनी समस्याओं को लेकर असेमजस में रहती हैं कि उन्हें सहायता के लिए कहा जाना चाहिए। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनों और शासन की योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने महिला



जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे यहां प्राप्त जानकारी को अपने-अपने क्षेत्रों की महिलाओं तक पहुंचाएं।

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस ने कहा कि शासन महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रहा है, जिनका लाभ उठाकर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुन्धा कुमार ने महिलाओं के कानूनी अधिकार, लैंगिक समानता, शिक्षा के अधिकार, पॉक्सो अधिनियम तथा दहेज निषेध कानून की

जानकारी देते हुए कहा कि महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव कानूनन अपराध है। उन्होंने जरूरतमंद महिलाओं से कानूनी सहायता लेने की अपील की। जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपिका तारन ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या कानूनी समस्या की स्थिति में

तत्काल पुलिस की सहायता लें। जागरूकता ही अपराधों की रोकथाम का सबसे प्रभावी माध्यम है।

कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, श्रम, पुलिस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया, जिसमें महिलाओं के ब्लड शुगर और रक्तचाप की जांच की गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने संबंधी आवश्यक सलाह दी गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू व्योहार एवं श्रीमती सारिका नायक, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति प्रकाश धुर्वे और श्रीमती हीरा रुद्रेश परस्ते, जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा सिंह, सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में महिला जनप्रतिनिधि उपस्थित रही।

अमरपुर होगी जन विश्वास अभियान की शुरुआत, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

डिंडोरी। जन विश्वास अभियान के सफल आयोजन को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागृह में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि जन विश्वास अभियान का शुभारंभ 7 अगस्त 2026 को विकासखंड अमरपुर के नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल भवन, सिधौली मोहगांव से होगा। अभियान के सुचारु संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान डीएफओ अशोक सोलंकी, जिला पंचायत के सीईओ दिव्यांशु चौधरी, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडोरी रामबाबू देवांगन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने सीएस हेल्पलाइन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि जिन विषयों पर सबसे अधिक शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि वे स्वयं शिकायतों की निगरानी करें और लक्षित प्रकरणों का अधिकतम निराकरण आज शाम तक सुनिश्चित करें। यदि कोई प्रकरण शेष रह जाए तो अभियान शुरू होने से पहले उसका भी शत-प्रतिशत समाधान किया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि अभियान के दौरान वे क्षेत्र में पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुनें और उनका यथासंभव मौके पर ही समाधान करें। उन्होंने कहा कि जन विश्वास अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना है। इसलिए सभी अधिकारी सचेत रहें, जवाबदेही और तत्परता के साथ कार्य करें तथा शेष शिकायतों का भी शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें।



सड़क किनारे मिला युवक का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

अनूपपुर। जिले में गुरुवार को सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत बाइक से गिरने के कारण हुई होगी, हालांकि पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो सकेगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह राहगीरों ने सड़क किनारे एक युवक को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर युवक की पहचान एवं घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।



